Date :- 19/05/2020

Appointment

* कला शिक्षण में दृश्य - श्रव्य साधन व उनकी उपयोगिता -

अध्यापक स्वयं एक दृश्य श्रव्य सहायक सामग्री है, फिर भी उसे अपनी शिक्षण को रुचिकर, उत्तम, प्रभावशाली बनाने के लिए अन्य साधनों की आवश्यकता पड़ती है। बेसिक एवं प्राइमरी स्तर पर दृश्य - श्रव्य साधनों का महत्व बहुत अधिक है।

दृश्य - श्रव्य उपकरणों को देखा जा सकता है एवं सुना भी जा सकता है। श्रव्य शब्द का अर्थ है - सुनना एवं दृश्य शब्द का अर्थ है - देखना। इस प्रकार दृश्य - श्रव्य सामग्री को हम तीन वर्गों में विभाजित कर सकते हैं :-

1. दृश्य उपकरण :- वह उपकरण जिसे विद्यार्थी केवल देख सकते हैं, दृश्य सामग्री कहलाती है। उदाहरणार्थ :- चलचित्र, फ्लैश बोर्ड, फ्लैनल बोर्ड, श्यामपट्ट, पुस्तके, चार्ट, नक्शा मॉडल, फिल्म स्ट्रिप इत्यादि।

2. श्रव्य उपकरण :- श्रव्य सामग्री के अन्तर्गत ऐसे उपकरण आते हैं जो केवल कानों को प्रभावित करते हैं। उदाहरणार्थ - रेडियो, टेप, ग्रामोफोन, हैडफोन, इत्यादि।

3. दृश्य - श्रव्य उपकरण :- वे उपकरण जो कि आँखों एवं कानों दोनों को प्रभावित करते हैं दृश्य - श्रव्य उपकरण कहलाते हैं। उदाहरणार्थ :- टेलीविजन, सिनेमा, फिल्म आदि।

Today's Priority

Scanned with CamScanner